(ख) जम्मू और काश्मीर, नागालैंड, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, पांडीचेरी, गोआ और अण्डमान और निकोबार ।

योजना साधनों के उपलब्ध होने पर क्रमबद्ध कार्यक्रम के अनुसार शुरू की जा रही है और इन राज्यों के केन्द्रों में भी यथा समय शुरू की जायेगी ।

माडर्न बेकरीज लिमिटेड

2554. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र की माडर्न बेकरीज ने डबलरोटी के मूल्य पुनः बढ़ा दिये हैं जिसके परिणामस्वरूप अन्य निर्माताओं ने भी मूल्य बढ़ा दिये हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) और (ख) कच्चे माल, मुख्यतः मैदे के मूल्यों में वृद्धि होने के कारण मई, 1969 में माडर्न डबलरोटी के मूल्यों में वृद्धि करनी पड़ी थी । अन्य डबलरोटी के निर्माताओं को भी मूल्यों में इन्हीं कारणों से वृद्धि करनी पड़ी थी न कि इसलिए कि माडर्न डबलरोटी के मूल्य बढ़ गए थे ।

सूरतगढ़ फार्म में उत्पादन

2555. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सूरतगढ़ फार्म का उत्पादन घट रहा है और इसमें हानि बढ़ रही है और उसे पूंजी पर केवल 0.17 प्रतिशत वार्षिक लाभ मिलता है जब कि उसे 30,000 एकड़ भूमि उपहार के रूप में मिली है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इस फार्म के कार्य संचालन में सुधार करने के बारे में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) और (ख). जी नहीं । उत्पादन में कुछ उतार-चढ़ाव रहा है, लेकिन 1965-66 के सिवाय जबकि राजस्थान तथा देश के अन्य भागों में अत्यन्त सूखा पड़ा, उत्पादन में कोई अधिक कमी नहीं रही । वास्तव में अब तक सबसे ज्यादा उत्पादन 1967-68 में संग्रहीत किया गया । लाभ-हानि में भी उतार-चढ़ाव होता रहा है, लेकिन 1966-67 और 1967-68 में फार्म ने क्रमशः 18.71 लाख रुपये और 49.52 लाख रुपये का निवल लाभ कमाया, जिसने पिछले सब घाटों को पूरा करने में सहायता की । पिछले 12 वर्षों में फार्म पर लगाई गई औसतन पूंजी अर्थात 94.5 लाख रुपये, फार्म के सरकारी लागत पर 41.51 लाख रुपये का ब्याज देने पर, इसी समय में 4.11 लाख रुपये का निवल लाभ हुआ । इस प्रकार पूंजी पर प्रतिवर्ष 4 प्रतिशत लाभ निकलता है । यह 87,000 रुपये प्रतिवर्ष के अतिरिक्त है, जोकि राजस्थान सरकार को जमीन के मालखाना (किराये) के रूप में दिया जाता है, जो जमीन उपहार रूप में नहीं है बल्कि पट्टे पर दी गई है ।

(ग) फार्म को अप्राप्य सिंचाई और समय समय पर बाढ़ों से नुक्सान उठाना पड़ा है । अप्राप्य सिंचाई व्यवस्था के सम्बन्ध में, फार्म इस समय भाकड़ा नहरों के पिछले हिस्से में स्थित है । इसे अब राजस्थान नहरों से सम्बन्धित करने का विचार है और राजस्थान सरकार से प्रार्थना की गई है कि यथा सम्भव शीघ्र ही इसका अन्तरण करने का प्रबन्ध किया जाये ।

समय समय पर बाढ़ों के सम्बन्ध में, क्षेत्र के एक भाग को बाढ़ों से बचाने के लिए मिट्टी के बाँध बनाये गए हैं। बाढ़ रोकने की एक बड़ी योजना विचाराधीन है। इस फार्म को व्यापारिक ढंग से चलाने के लिए अन्य केन्द्रीय राजकीय फार्मों के साथ इसे 1 अगस्त, 1969 से भारतीय राजकीय फार्म निगम को सौंप दिया गया है, जो कि एक सरकारी औद्योगिक संस्थान है।

डाक व तार कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाओं पर व्यय

2556. श्री मा० सुन्दरलाल :
श्री प० मु० सईद :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :
श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि डाक व तार कर्मचारियों की चिकित्सा-सुविधाओं, सन्तान शिक्षा भत्ते तथा समयोपरि भत्ते पर खर्च की गई धनराशि में छः गुणा वृद्धि हुई है ;

(ख) क्या सरकार यह स्वीकार करती है कि उपरोक्त मदों से सम्बन्धित वर्तमान नियमों में बड़े दोष हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह) : (क) जी नहीं।

(ख) जहां तक चिकित्सा प्रतिपूर्ति और समयोपरि-भत्ते के नियमों का सम्बन्ध है अभी इसमें आगे और जांच की गुंजायश है।

(ग) इस बारे में पहले से किए जा रहे कई उपायों जैसे कि और अधिक डाक-तार डिस्पेंसरियां खोलना, प्राधिकृत डाक्टरों और कैमिस्टों की दुकानों की संख्या सीमित करना, दावे प्रस्तुत करने की अवधि कम करना आदि के अतिरिक्त डाक–तार विभाग का दक्षता ब्यूरो चिकित्सा प्रतिपूर्ति और समयोपरि-भत्ते पर होने वाले व्यय में वृद्धि को रोकने की दृष्टि से आगे और उपाय करने के लिए इसका अध्ययन कर रहा है।

Construction of quarters for P & T Staff at Mangalore

2557. SHRI LOBHO PRABHU : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether there are any quarters for the P & T staff at Mangalore ;

(b) if not, the reasons for not constructing the quarters when the site at Lee Well has been acquired six years ago ;

(c) whether plans and estimates for the construction of the quarters are ready ; and

(d) if so, whether the programme will be included in the next supplementary budget ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI SHER SINGH) : (a) There are 6 departmental quarters and 7 rented quarters for the P & T staff at Mangalore.

(b) to (d). Lee Well Site was actually taken over on 23-12-67 after completion of the acquisition proceedings.

The plans are under preparation and estimates will be prepared after the plans are ready.

It is proposed to include this project in the Budget 1970/71.

Implementation of Land Reforms

2558. SHRI LOBO PRABHU : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE